आत्महत्या

Suicide

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक – समाजशास्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

विषय	पृष्ठ संख्या
भूमिका	२
परिभाषा	२
निर्धारित तत्व	३
सैद्धांतिक विश्लेषण	४
दुखीमि का आत्महत्या का सिद्धांत	
कारण	

भूमिका

आत्महत्या व्यक्तिगत विघटन का अति घृणित और भयंकर रुप है जिसमें व्यक्ति नीयत के साथ अपनी इच्छा से अपनी आत्मा का हनन करता है।

परिभाषा

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका में आत्महत्या की परिभाषा इस प्रकार दी गयी है –

“आत्महत्या अपनी इच्छा से और जानबूझकर की जाने वाली आत्महनन की क्रिया है ।”

निर्धारित तत्व

I. आत्महत्या ऐच्छिक है

II. आत्महत्या जागरुक अवस्था का परिणाम है

III. स्वतः किया जाने वाला आत्महनन है ।

आत्महत्या का सैद्धांतिक विश्लेषण